बीएसएफ

भारत-पाक सीमा से ड्रग्स की तस्करी को BSF ने किया नाकाम, 25 करोड़ की हेरोइन बरामद

बीएसएफ ने जम्मू से सटी भारत-पाक सीमा से पांच किलो हेराइन बरामद किया है. बीएसएफ द्वारा बरामद की गई हेरोइन की कीमत करीब 25 करोड़ आंकी गई है.

भविष्य में घुसपैठ और ड्रग्स तस्करी की साजिश को नाकाम करने के लिए बीएसएफ ने बार्डर पर अपनी निगाहे अधिक पैनी कर दी है. (फोटो: बीएसएफ)

Written By:
अनूप कुमार मिश्र

Updated:
Jun 21, 2019, 12:41 PM IST

खास बातें

1. भारत-पाक बार्डर से 100 मीटर की दूरी पर मिली हेरोइन
2. प्लास्टिक कैन के भीतर छिपाया गया था हेरोइन नामक ड्रग्स

नई दिल्ली: भारत-पाक सीमा की चौकसी में तैनात बार्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) के जवानों की सजगता के चलते ड्रग्स तस्करी की बड़ी कोशिश को नाकाम किया गया है. बीएसएफ ने जम्मू से सटी भारत-पाक सीमा से पांच किलो हेरोइन बरामद किया है. बीएसएफ द्वारा बरामद की गई हेरोइन की कीमत करीब 25 करोड़ आंकी गई है.

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान घाटी में न केवल आतंकी वारदातों को लगातार अंजाम दे रहा है, बल्कि वहां के नौजवानों को नशे की गिरफ्त में लेने की साजिश भी रच रहा है. बीएसएफ की चौकसी के चलते पाकिस्तान की इस साजिश को फिलहाल नाकाम कर दिया गया है. भविष्य में घुसपैठ और ड्रग्स तस्करी की साजिश को नाकाम करने के लिए बीएसएफ ने बार्डर पर अपनी निगाहे अधिक पैनी कर दी है.

3. BSFऔर DRI के संयुक्त अभियान में बरामद हुई ड्रग्स

बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, जम्मू के सुचेतगढ़ इलाके स्थित भारत-पाक सीमा से बड़े स्तर पर ड्रग्स की तस्करी होने की सूचना बीएसएफ को मिली थी. सूचना के आधार पर बीएसएफ की 36वीं बटालियन के सेकेंड इन कमांड संजय गुलेरिया के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया. इस टीम ने डीआरआई के अधिकारियों को भी शामिल किया गया था. बीएसएफ और डीआरआई की संयुक्त टीम ने भारत-पाक बार्डर पर स्थित सुचेतगढ बीओपी के समीप लगे बार्डर फेंसिंग एरिया में स्पेशल सर्च ऑपरेश शुरू किया.

उन्होंने बताया कि स्पेशल सर्च ऑपरेशन के दौरान बीएसएफ और डीआरआई की टीम को फलकू नाला के पास प्लास्टिक कैन पड़ा हुआ मिला. तलाशी लेने पर इस प्लास्टिक कैन के भीतर से 5 किलो हेरोइन बरामद की गई. उन्होंने बताया कि जिस जगह से प्लास्टिक कैन बरामद की गई है, वह जगह अंतरराष्ट्रीय बार्डर से महज 100 मीटर की दूरी पर स्थित है. उन्होंने बताया कि पाकिस्तान की तरफ नाले के साथ बड़ी जंगली घास मौजूद है, जो ड्रग्स तस्करों को छिपने में छिपने में मदद करती है. उन्होंने बताया कि पाकिस्तान की तरफ से ड्रग्स तस्करी के लिए पहली बार जम्मू इंटरनेशनल बार्डर का इस्तेमाल किया गया है.